593

MASA-03

December - Examination 2018

M. A. (Previous) Sanskrit Examination

भारतीय दर्शन

Paper - MASA-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) ब्रह्म सूत्र तथा शारीरकभाष्य के प्रणेता कौन हैं?

(ii) सांख्य दर्शन के अनुसार तत्त्वों में व्यक्त–अव्यक्त–ज्ञ किन तत्त्वों की संज्ञा है?

(iii) सांख्य दर्शन के अनुसार त्रिविध दुःखों नाम लिखिए।

(iv) जीवन्मुक्त क्या है?

(v) प्रस्थानत्रयी किन ग्रन्थों को कहा जाता है?

(vi) वेदान्तसार के अनुसार अनुबन्ध चतुष्टय में सम्बन्ध किसे कहते हैं?

(vii) वेदान्तसार के अनुसार अपवाद का क्या अर्थ है?

(viii) वेदान्तसार के अनुसार चतुर्विध शरीर कौन कौन से हैं?

खण्ड – ब $4 \times 8 = 32$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) सांख्यदर्शन के अनुसार प्रकृति के अस्तित्व हेतु दिये गये प्रमाणों का उल्लेख कीजिए।

3) सांख्यदर्शन के अनुसार बन्धन एवं बन्धन के प्रकारों का वर्णन कीजिए।

4) वेदान्त सार के अनुसार पंचीकरण प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

5) तत्त्वमसि महावाक्य के अर्थबोधन के सन्दर्भ में प्रदर्शित सम्बन्ध त्रय का परिचय दिजिए।

6) पीलूपाक एवं पीठरपाक में क्या अन्तर है?

7) हेत्वाभास किस कहते हैं तथा उसके भेदों का उल्लेख कीजिए।

8) स्वत: एवं परत: प्रामाण्य में क्या अन्तर है?

9) बौद्ध दर्शन के अनुसार क्षणिकवाद को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड – स $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) सत्कार्यवाद के द्वारा प्रकृति की अनुमानपूर्वक सिद्धि का वर्णन कीजिए।

11) वेदान्तसार के अनुसार अज्ञान के स्वरूप, भेद एवं शक्तियों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

12) तर्कभाषा के आधार पर प्रत्यक्ष प्रमाण का वर्णन कीजिए।

13) जैन दर्शन के अनुसार सात तत्वों का वर्णन कीजिए।